कदी आजा कदी आजा

कदी आजा कदी आजा,
कदी साड़ी गली विच आ ओ बंसी वलडया,,
कदी साढ़े वल फेरा पा ओ मुरली वलडया,
कदी आजा कदी....
.
रोज मैं तेरे मंदिर आवा,
मिन्ता कर कर तनु मनावा,
वे तू दीना है रोज भुला ओ बंसी वलडया,
कदी आजा कदी.....

प्यार दी तेरी भूख वे श्यामा,
दे नैना न सुख वे श्यामा,
कदी साहनु भी दर्श दिखा,ओ बंसी वलडया,
कदी आजा कदी.....

मैं हां तेरी प्रेम दीवानी,
किस नु सुनावा अपनी कहानी,
वे तू मैनु होर न सत्ता,ओ बंसी वलडया,
कदी आजा कदी.....

नित उठ तेरी ज्योत जगावा,
माखन मिश्री दा भोग लगावा,
वे तू मेरे इस भोग नु लगा ओ बंसी वलडया,
कदी आजा कदी.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/8797/title/kdi-aaja-kdi-aaja-kdi-sade-gali-vich-aa-o-bansi-valdeya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |